माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

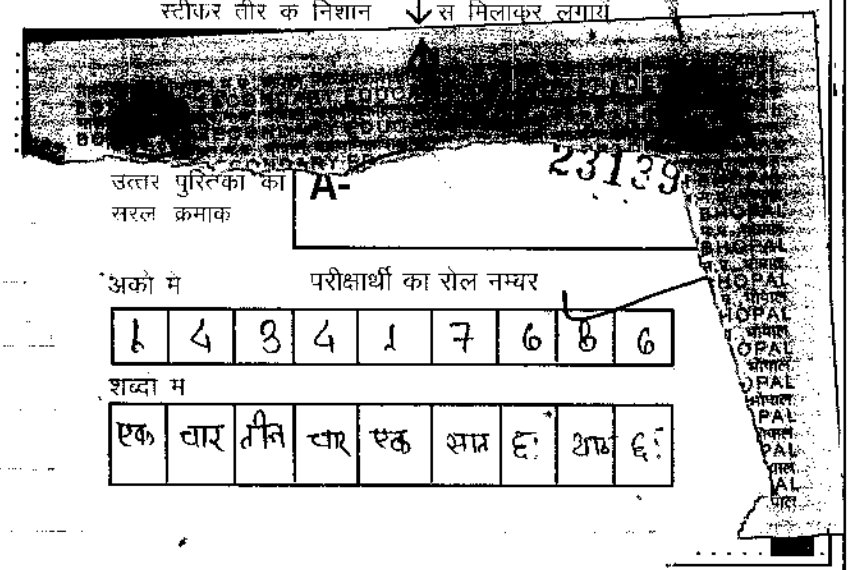

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक A- 23139

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	4	3	4	1	7	6	8	6

शब्दों में

एक	चार	तीन	चार	एक	सात	छः	आठ	छः

8

छ आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 02

ग परीक्षा का दिनांक 26 08 14

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S. Exam. केन्द्र क्रमांक -341013

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Kamlesh Patel	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही ... गई होला क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख ... पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

नि... न मुद्रा ... नाम ... नाम, मोबाइल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था क... की मुद्रा लगाए।

उप ... परीक्षक के ... नाम की ... मुद्रा	... परीक्षक ... मुद्रा
M.S.Paraste Reg.No.25489	G.S.Thakur 20280

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

प्रश्न क्रमांक - 1 का उत्तर

अ) विश्व बैंक

ब) बहादुरशाह जफर "द्वितीय"

स) महात्मा गाँधी

द) सामाजिक अधोसंरचना

इ) औद्योगिक एवं उपभोक्ता वस्तुओं की गुणवत्ता।

उत्तर - 2

अ) अचानक उत्पन्न होने वाली आपदाऐं :- सुनामी, भूकम्प

ब) भारत में मौलिक अधिकारों का संरक्षण सर्वोच्च न्यायालय है।

स) नगर निगम व नगर पालिका सदस्य।

द) प्रतिव्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद।

इ) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसम्बर को मनाया जाता है।

P.T.O

④ [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ के अंक — कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMA

प्रश्न क्र

उत्तर - ७

अ) असत्य

ब) असत्य

स) सत्य

द) सत्य

इ) सत्य

उत्तर - ८

अ)	ब)
अ) आकाशवाणी -	1957
ब) स्वामी विवेकानन्द -	रामकृष्ण मिशन
स) चरण पादुका गोलीकांड -	छतरपुर
द) परिवहन एवं संचार -	तृतीयक क्षेत्र
इ) सीमेन्ट का कारखाना -	द्वितीयक क्षेत्र

5 [ ] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

प्रश्न क्र

उत्तर - 5

अ) (iv) हीरा

ब) (iii) 1948

स) (i) 20 अक्टूबर, 1962

द) (iv) 10

इ) (v) उपर्युक्त सभी

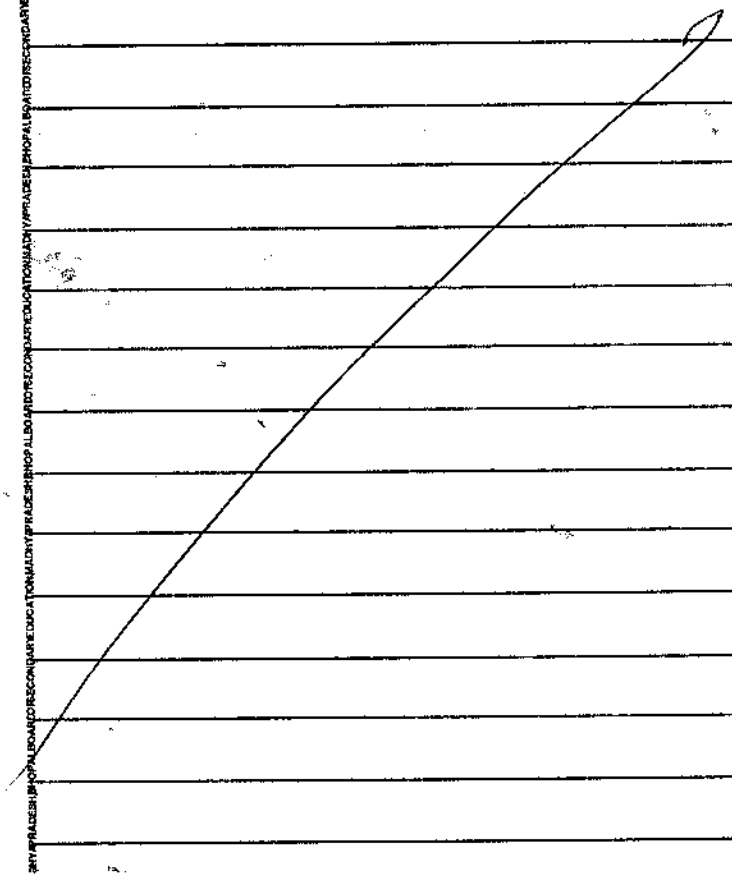

E

P.T.O

पृष्ठ के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र

प्रश्न - 6 का उत्तर

मृदा अपरदन :- वायु अथवा जल के कारण मृदा का आवरण हटना अर्थात् मृदा का एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानान्तरण मृदा अपरदन कहलाता है। वृक्षों की कटाई मृदा अपरदन का प्रमुख कारण है।

उत्तर-7

1857 की क्रांति के तात्कालिक कारण :- 29 मार्च 1857 को बैरकपुर छावनी में पदस्थ मंगल पाण्डे ने चर्बी वाले कारतूसों को मुँह से खोलने से मना कर दिया और उत्तेजना में एक ऑफीसर की हत्या कर दी। जिस कारण उसे 8 अप्रैल 1857 को फाँसी दे दी गई। यह 1857 की क्रांति की पहली आहुति थी।

यही 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण था।

BSE

7

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 7 के अंक = कुल अंक

उत्तर - 8

प्रतिव्यक्ति आय :- जब कुल राष्ट्रीय आय में कुल जनसंख्या का भाग देने पर जो राशि प्राप्त होती है वह प्रतिव्यक्ति आय कहलाती है।

गणना का सूत्र

$$\text{प्रतिव्यक्ति आय} = \frac{\text{कुल राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

उत्तर - 9

प्राकृतिक संसाधनों से कारखानों के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं का विनिर्माण की गतिविधि तृतीयक क्षेत्र में आती है।
उदा०:- इसे एक उदा० के माध्यम से समझा जा सकता है, सीमेन्ट के कारखानों में प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त मिट्टी व चूना पत्थर आदि को विभिन्न प्रक्रमों के कारखानों में निर्माण कर उपभोक्ता को उपलब्ध कराया जाता है।
कारखानों में निर्माण की क्रिया द्वितीयक क्षेत्र है।

P.T.O

प्रश्न क्र

उत्तर -10

उपभोकता के निम्न दो कर्तव्य हैं-

1. कैश मेमो व रसीद को वस्तु को खरीदते समय अवश्य लेना।

2. वस्तुओं के विक्रय में ठगे जाने पर अवश्य रूप से शिकायत करना चाहे वस्तु सस्ती हो या महंगी।

B
S
E

⑨ [ ] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ पृष्ठ 9 के अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर १- २५

रानी लक्ष्मीबाई :- झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई बाल गंगाधर राव की विधवा थी। जिनकी मृत्यु १८५८ में बीमरी के कारण हो गई थी उनके कोई योग्य पुत्र नही था, इसलिये उन्होने एक दत्तक पुत्र विक्रमजीत को गोद लिया पर उस समय विलय नीति चरम पर थी इसलिये ब्रिट्रिश सरकार झाँसी को अपने शासन में मिलाना चाहती थी। जिसके कारण झाँसी की रानी ने स्वयं शासन का संचालन करते हुये अंग्रेजों से संघर्ष ले लिया। सरह्यूजी के आक्रमण के कारण रानी को झाँसी छोड़ना पड़ा। पर लक्ष्मीबाई ने व तात्याटोपे ने ग्वालियर पर अधिकार कर लिया अन्ततः रानी लक्ष्मीबाई को अँग्रेजो से लड़ाई करते हुये स्वयं को अंग्रेजो से न छुने के कारण तलवार मारकर गंगादास की कुटिया में वीरगति को प्राप्त हुई। इनकी समाधि स्थल ग्वालियर है। इनकी मृत्यु १८जून १८५८ मेंहुई।

तात्याटोपे :- तात्याटोपे एक बहादुर, वीर व कुशल सेनानायक था वह प्रारंभ से ही नाना साहिब का स्वामीभक्त था। उसकी निष्ठा पेशवा से थी। उसने झाँसी की रानी के साथ मिलकर ग्वालियर व अन्य क्षेत्रों में अधिकार कर लिया। रानी की मृत्यु के पश्चात् उन्होने बुन्देलखण्ड व मालवा में अंग्रेजो को कड़ी टक्कर दी। वे साधन

P.T.O.

B
S
E

प्रश्न क्र

की अनुपलब्धता में युद्ध, गुरिल्ला पद्धति आदि से युद्ध में निपुण थे। उन्हें जंगल में विश्राम करते समय पकड़ा गया और 18 अप्रैल 1859 में शिवपुरी में फांसी दे दी गई।

उत्तर - 23

सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिये निम्न प्रयास किये गये।

1) 1950 में केन्द्रीय वन आयोग की स्थापना की गई। व नवीन नीतियाँ बनाई। इसके निम्न लक्ष्य थे-

1. वनों का प्रतिशत 33.33% करना।
2. वनों की रक्षा करना।
3. वनों पर अनुसंधान करना।

2) 7 दिसम्बर 1988 को नवीन नीति घोषित की गई जिसके निम्न लक्ष्य थे -

1. वन व प्राकृतिक वन्यप्राणी जो प्राकृतिक धरोहर हैं उनकी रक्षा करना।
2. लोगों की बुनियादी आवश्यकता को पूर्ण करना।
3. वनों में स्थिरता लाना।

B
S
E

(11) [ ] + [ ] = [ ]

के अंक   कुल अंक

3) 1988 के बाद 20 वार्षिय राष्ट्रीय वानिकी निगम की स्थापना की गई यह नीति 2009 में घोषित हुई। इसमें निम्न केन्द्र की स्थापना की गई -

1. केंद्रीय वन संरक्षण बोर्ड :- इसकी स्थापना 1965 में हुई इसके उद्देश्य आंकड़ों को एकत्रित करना, अनुसंधान करना तथा उसे बाजारों में उपलब्ध करना।

2. काष्ट कला प्रशिक्षण ~~बोर्ड~~ केन्द्र :- इसकी स्थापना 1965 में देहरादून में की गई इनकी लकड़ी की कटाई की आधुनिक स्तर पर ~~प्रशि~~ प्रशिक्षण देना है।

3. वन महोत्सव :- इसकी स्थापना के.एम. मुंशी ने 1950 में की इसका उद्देश्य वृक्षों की संख्या में वृद्धि करते रहे हैं। यह 1 जुलाई से 7 जुलाई तक कार्यक्रम मनाया जाता है।

4. **सामाजिक वानिकी** :- विश्व बैंक द्वारा वित्तीय सहायता से वन सम्वर्धन करना। 'हर ~~व्यक्ति~~ वर्ष एक पेड़ लगाना इसका उद्देश्य है।

इसके अलावा अन्य कई संस्थाओं व अधिनियम भी किये। जो वन संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

P.T.O.

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र

उत्तर :- 22

मादक पदार्थों का शरीर पर निम्न पाँच प्रभाव है -

1. रोगों का घिराव :- मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति को अनेक रोग जैसे कैंसर, टीबी व अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ घेर लेती हैं।

2. मानसिक शिथिलता :- मादक पदार्थ मस्तिष्क को निष्क्रिय बना देते हैं। व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ हो जाता है।

3. शारीरिक शिथिलता :- मादक पदार्थ शरीर को शिथिल बना देते हैं। व्यक्ति कार्य करने में असमर्थ हो जाता है और वह कमजोर हो जाता है।

4. अकाल मृत्यु :- व्यक्ति की मादक पदार्थों के सेवन करने से अकाल मृत्यु हो जाती है वह कम उम्र में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है।

B
S
E

5. अपंगता :- कुछ मादक पदार्थ नसियों को जाम कर देते है, जिस कारण मनुष्य जीवन भर के लिये अपंग हो सकता है। मादक पदार्थ रक्त की मात्रा को कम कर देते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 21 का उत्तर

~~लोकसभा की संकट कालीन शक्तियाँ~~

लोकसभा की पाँच शक्तियाँ निम्न हैं-

1. विधायी कार्य :- लोक सभा विधि निर्माण का कार्य करती है कोई भी विधेयक लोकसभा में पारित होना आवश्यक है।

2. वित्तीय कार्य :- लोकसभा आय-व्यय का ब्योरा रखती है तथा वित्त विधेयक सबसे पहले लोकसभा में ही प्रस्तुत किया जाता है।

3. कार्यपालिका पर नियंत्रण :- लोकसभा सदस्य मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, शासकीय नीतियों पर स्थगन प्रस्ताव लाकर व अविश्वास प्रस्ताव से कार्यपालिका पर नियंत्रण करती है।

4 संविधान संशोधन :- संविधान संशोधन का अधिकार लोकसभा को प्राप्त है। वह राज्यसभा की सहायता से कानून संशोधित कर सकती है।

P.T.O

BSE

5. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति पर महाभियोग : लोकसभा संसद के पूर्व राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति पर महाभियोग लगाकर उन्हें उनके पद से पदच्युत कर सकती है उसके लिये संसद के 2/3 बहुमत से पारित अधिकाथत से राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति को इस्तिफ इस्तीफा देने पड़ता है।

प्रश्न क्रमांक:- 20 का उत्तर

1971 में हुये भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के निम्न कारण थे-

1. भारत की सैनिक शक्ति, पाकिस्तान की सैनिक शक्ति से मजबूत थी।
2. पाकिस्तान का नैतिक पक्ष दुर्बल था, पूर्वी पाकिस्तान का संघर्ष उसे कमजोर बना दिया था।
3. सैनिक तानाशाही प्रजातन्त्रीकरण का विरोधकर रही थी। जिस कारण पाकिस्तान को हार मिली।
4. भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान को पूर्वी पाकिस्तान तक मदद पहुंचाने वाले रास्ते को घेर लिया। जिससे सेना की आपूर्ति बंद हो गई।
5. बांग्लादेश से अनेक शरणार्थी भारत आये जिस कारण भारत को पाकिस्तान के कार्यों में हस्तक्षेप करने का मौका मिलगया।

इसके अतिरिक्त भी कुछ अन्य कारण थे

(15) [ ] + [ ] = [ ]

उत्तरः-19

30 जनवरी 1930 को गाँधीजी ने तत्कालिन गवर्नर जनरल लार्ड इरविन के सामने भारतीय हितों के लिये 11 सूत्रीय माँगे रखी जिसे लार्ड इरविन ने मानने से मना कर दिया। इन माँगों में निम्न बातें रखी गई-

1. सरकार विनिमय दर घटाये।
2. भू-राजस्व कम करे।
3. नमक कर बंद करे।
4. हिंसात्मक कार्यों से दूर नेताओं को रिहा करे।
5. लघु व कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन।

आदि माँगो को रखा।

लार्ड इरविन के मना किये जाने पर महात्मा गांधी ने अहिंसात्मक रूप से कानून तोड़ने का निर्णय लिया और सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर दिया। गांधी जी ने 6 अप्रैल 1930 को नमक कानून तोड़ा। यह आंदोलन एक स्वतंत्रता आंदोलन को एक स्पष्ट लक्ष्य तक प्राप्त करने में असफल रहा पर यह एक हद तक क्रांतिकारियों व भारतीयों में स्वतंत्रता की चाह को जगा दिया।

यह महात्मा गांधी जी का द्वितीय आंदोलन था।

PTO

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

उत्तर - 18

हिम :- ×

वर्षा :- ●

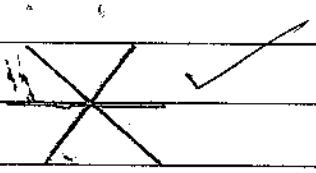

ओला :- △

कुहरा :- ≡

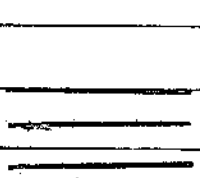

धुंधला ~~आकाश~~ प्रकाश :-

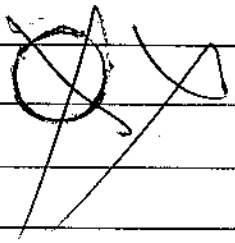

(17) [ ] + [ ] = [ ]

17 के अंक

उत्तर:- 17

समाजवादी अर्थव्यवस्था के चार गुण निम्न हैं-

1. उत्पादन के साधनों पर समाज का स्वामित्व :-

समाजवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर समाज या समाज के लोगों का स्वामित्व होता है।

2. आर्थिक स्थायित्व :- समाजवादी अर्थव्यवस्था आर्थिक स्थायित्व पाया जाता है व्यक्ति के हाथों में न होने तथा केन्द्रीय शासन संचालन के कारण आर्थिक स्थायित्व पाया जाता है।

3. शोषण की समाप्ति :- केन्द्र द्वारा संचालित प्रणाली होने के कारण शोषण का तो प्रश्न नहीं उठता। व्यक्ति को समाजवादी अर्थव्यवस्था में शोषण की समाप्ति हो जाती है।

4. पूर्ण रोजगार :- श्रमिकों को पूर्ण रोजगार प्राप्त होता है। कार्य के लिये रोजगार में कमी नहीं की जाती है।

P.T.O

+ [ ] = [1]

उत्तर :- 16

भारत के नागरिकों को निम्न मौलिक अधिकार प्राप्त हैं-
1. समानता का अधिकार
2. स्वतंत्रता का अधिकार
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार
4. संस्कृति व शिक्षा का अधिकार
5. संवैधानिक उपचारों का अधिकार
6. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

वर्णन :-

1. समानता का अधिकार :- भारतीय संविधान में लोगों को समता का अधिकार प्राप्त है व्यक्ति के साथ जाति, पंथ के आधार पर पक्षपात नही किया जायेगा।

2. स्वतंत्रता का अधिकार :- व्यक्ति की अभिव्यक्ति, देश में भ्रमणता की अधिकार है वह बिना किसी अवरोध के देश में कही भ्रमण कर सकता है।

3. शोषण के विरुद्ध अधिकार :- 14 वर्ष तक के बच्चों को किसी भी कार्य में नही लगाया जायेगा उसे कानून का उल्लंघन माना जाता है।

4. शिक्षा व संस्कृति का अधिकार :- व्यक्ति को अपने इच्छानुसार शिक्षा व रीति-रिवाजों को चुनने का अधिकार है। इसे शिक्षा व संस्कृति का अधिकार कहते हैं।

5. संवैधानिक उपचारों का अधिकार :- व्यक्ति को शोषण पर कानून के माध्यम से शिकायत दर्ज करवा सकता।

6. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :- व्यक्ति को इच्छानुसार अपने धर्म को चयन करने की स्वतंत्रता है।

उत्तर - 15

भारत - चीन युद्ध के परिणाम निम्न हैं-
1. भारत का एक बड़ा भू-भाग चीन के पक्ष में चला गया।
2. भारत की पंथनिरपेक्षता व गुटनिरपेक्षता की नीति आहत हुई।
3. भारत को विश्व में आदर्शवाद के स्थान पर व्यावहारिकता व यथार्थवाद का स्थान मिला।
4. भारत की सहिष्णुता व शांति की नीति प्रभावित हुई।

P.T.O

(20) [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ क्र अंक कुल अंक

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र

उत्तर :- 15

जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड :- रौलेट एक्ट के आने के विरोध में देश के विभिन्न भागों में आंदोलन व सभायें चल रही थी, 10 अप्रैल को कांग्रेस के दो बड़े नेता डॉ सत्यपाल व डॉ. सैफुद्दीन कुचलू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया इसके विरोध में बैसाखी के दिन 13 अप्रैल 1919 को जलियावाला बाग में आम सभा का आयोजन हुआ। कई हजार लोग शामिल हुये। बाग में केवल एक निकास द्वार था। सभा शांति पूर्ण तरीके से चल रही थी तभी, डॉयर 100 हथियार बंद कैदियों के साथ बाग पहुचा और बिना किसी पूर्व चेतावनी के गोलिया चलवा दी और गोली न खत्म होने तक नरसंहार चलता रहा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 400 लोगों की मृत्यु व 1200 लोग घायल हुये। यह सबसे बड़ा हत्याकाण्ड था। ब्रिटिश अधिकारियों ने इसकी निंदा की। हत्याकाण्ड में कुछ लोग बाग में स्थित कुआं में कूद गये।

B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2014

4 पृष्ठीय

परीक्षा का विषय: सा॰विज्ञान

विषय कोड: 300

परीक्षा का माध्यम: हिन्दी

परीक्षा का दिनांक: 26 | 03 | 14

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक: 1760833

परीक्षार्थी का रोल नम्बर (अंकों में): 1 4 3 4 1 7 6 8 6

शब्दों में: एक चार तीन चार एक सात छः आठ छः

H.S. Exam.

केन्द्र क्रमांक – 341013

उत्तर – 13

प्राकृतिक आपदाओं के लिये वनों का विनाश उत्तरदायी कारण है यह सच है, क्योंकि वनों के विनाश होने से मानव को विभिन्न समस्याएँ व प्रकृति के साथ खिलवाड़ है। हम कुछ तथ्यों के माध्यम से जानेंगे की वन विनाश प्राकृतिक आपदा के लिये जिम्मेदार है—

वनों की कटाई से वर्षा में कमी, मृदा अपरदन, तापमान वृद्धि आदि अनेक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं जिसके परिणाम स्वरूप सूखा, बाढ़, भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिये वन संवर्धन से वनों की कटाई से होने वाली आपदाओं को नियंत्रित किया जा सकता है।

P.T.O

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र

उत्तर :- 12

आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधाये निम्न हैं-

1. भारत की समस्त नदियाँ ग्रीष्म काल में सूख जाती हैं तथा वर्षा काल में उनमें अधिक पानी भरने से बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जाती है। यह आंतरिक जल परिवहन की प्रमुख बाधा है।

2. दक्षिण भारत की नदियों में कंकड़ की मात्रा अधिक पाई जाती है जिसकारण नाव व अन्य जलवाहन चलाने में समस्या का सामना करना पड़ता है।

उत्तर - 11

स्वामित्व के आधार पर उद्योग चार प्रकार के होते हैं जो निम्न हैं-

1. निजी उद्योग
2. सरकारी उद्योग
3. सहकारी उद्योग
4. मिश्रित उद्योग

वर्णन

1. निजी उद्योग:- निजी उद्योग वे उद्योग होते हैं जिन पर निजी स्वामित्व अर्थात् किसी व्यक्ति का या व्यक्ति के समूह का

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

अधिकार होता है।
उदा० - टाटा आयरन स्टील कंपनी

2. सरकारी उद्योग:- वे जिनमें सरकार का होता है। तथा उद्योग का संचालन सर माध्यम से संचालित होते है।
- नेपा होशंगाबाद

प्रश्न - 15

4 जनवरी 1966 को तत्‌ राष्ट्रपति अयूब खाँ व भारत के मंत्री लालबहादुर शास्त्री के कस ने के समझौते के लिये बुलाया। 19 जन० 6 को निम्न शर्तों में समझौता हुआ।
1. भारत व पाकिस्तान अच्छे पड़ोसी देशों जैसे सम्बन्ध
2. दोनों देश 1965 तक जहाँ थे वहीं तक उन्हें होगी। वे अपनी सेना को पीछे
3. दोनों देश एक दूसरे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे शांति की जनकारी में आक्रमणकारी रहित करेंगे।
इसके अतिरिक्त देश आर्थिक, राजनीतिक आदि को बनायेंगे।

BSE